६०१ /१००

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

सुबह ९:०० से १२:००] (रविवार, १८ जुलाई, २००४) **कुल अंक : १००**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी ओर उसके अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र. १ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन-तीन प्रमाण दीजिए । ६

१. परब्रह्म पुरुषोत्तमनारायण - एक एवं अद्वितीय ।
२. गुणातीत संत की महिमा - परमहंसों के पदों में ।
३. प्रकट भगवान या भगवान के संत के द्वारा मोक्ष ।
४. अक्षररूप होकर पुरुषोत्तम की स्वामी सेवक भाव से उपासना ।

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । ५

१. भगवान की मूर्ति की उपासना किए बिना आत्मा और ब्रह्म दृष्टिगोचर हो ही नहीं सकते ।
२. जन्म कर्म च मे दिव्यमेवं यो वेत्ति तत्त्वतः ।
३. ''अक्षरातीत पुरुषोत्तम जो हम वह मनुष्य जैसा बन्या हूँ ।''
४. ''परब्रह्म पूरण पुरुषोत्तम, स्वामिनारायण सुमरानी ।''
५. ''संत मानजो मारी मूरति रे, एमां फेर नथी एक रती रे ।''

प्र. ३ निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ४

नोंध :एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. उत्पत्ति सर्ग का सच्चा क्रम क्या है ?

(अ) परब्रह्म →अक्षरब्रह्म →अक्षरपुरुष + महामाया →प्रधानपुरुष
(ब) विराटपुरुष →ब्रह्मा → कश्यप प्रजापति →मरीआदिक प्रजापति
(क) परब्रह्म →अक्षरपुरुष + महामाया →विराटपुरुष →प्रधानपुरुष
(ड) विराटपुरुष →ब्रह्मा → मरीआदिक प्रजापति →कश्यप प्रजापति

२. परमेश्वर की आज्ञा से कौन-सा अवतार कौन-से स्थान में रहते है ?

(अ) ब्रह्मा - कैलास (ब) निरन्नमुक्त - श्वेतद्वीप
(क) इन्द्र - अमरावती (ड) विष्णु - गोलोक

प्र. ४ निम्न में से किन्हींएक का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें ।(बारह पंक्ति में) ४

१. चारपाई के नीचे छूपे यज्ञपुरुषदासजी यकायक बाहर निकले ।
२. रामानंद स्वामी ने लालजी भक्त को उलाहना दिया ।
३. कबूतर के कबूतर रहे ।

प्र. ५ किन्हीं दो के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) ८

१. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार है ।
२. 'भगवान सर्वोपरि है' यह निष्ठा आवश्यक है ।
३. प्रकट भक्ति की महिमा ।
४. अक्षरब्रह्म धामरूप में और अक्षरब्रह्म सच्चिदानंद चिदाकाश तेजरूप ।

प्र. ६ निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) ८

१. श्रीजीमहाराज ने रावणादिक असुरों का संहार नहीं किया फिर भी परमहंस उन्हें भगवान मानते थे ।
२. गोपालानंद स्वामी ने कहा : ''यह तो जोगी की ही करनी है । मेरे कथन को परिवर्तन करने की शक्ति इनमें ही हैं ।''
३. उत्तम भक्त होने के लिए प्रमुखस्वामी महाराज की सेवा करनी चाहिए ।
४. श्रीजीमहाराज को सर्वकर्ता-हर्ता समझना आवश्यक है ।

प्र. ७ उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । ८

(उपासना में क्या समझना ?)

१. श्रीजीमहाराज पूर्ण ..... दिव्य हैं ।
२. परब्रह्म ..... अद्वितीय है ।
३. अक्षरब्रह्म एक ही ..... रूप में रहता है ।
४. अक्षरब्रह्म भी अक्षरधाम में ..... निर्गुण कर देते हैं ।
५. इस लोक में से ..... प्रकट है ।

(उपासना में क्या नहीं समझना ?)

१. पुरुषोत्तम नारायण ..... समान है, ऐसा नहीं समझना ।

२. *अक्षरब्रह्म मूर्तिमान ..... तेज है, ऐसा नहीं समझना चाहिए ।*
३. *वचनामृतादि ..... सकता है, ऐसा नहीं समझना ।*

प्र. ८ संक्षिप्त टिप्पणी लिखें : अक्षर रूप होकर पुरुषोत्तम की उपासना । ५

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग- ३ तथा युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्र. ९ निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । ६

१. *''पूर्व जन्मों में हमने कई बार अपने स्त्री-पुत्रादि के कारण नाक-कान कटवाएँ होंगे ।''*
२. *''आप ऐसा संकल्प करे की मूशलाधार बारिश हो और गोमती तालाब पानी से छलका जाए ।''*
३. *''खुद मेहनत करना, हराम का खाना नहीं ।''*

प्र. १० निम्न में से किन्हीं <u>दो</u> के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) ६

१. *महाराज ने काठी हरिभक्तों से कहा : ''अपने घर पर आप इस तरह अनाज को बिगाड़ते रहते हो क्या ?''*
२. *राजा ने ब्राह्मणों को कर मुक्ति की ।*
३. *महाराज ने मुक्तानंद स्वामी को धर्मपुर भेजा ।*
४. *आत्मस्वरूप स्वामी को अनुभव हुआ की सत्पुरुष के लिए भाषा के बंधन नहीं होते ।*

प्र. ११ निम्न विषय पर मुद्देसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) ८

१. *लालजी भक्त निष्कुलानंद बने ।*

अथवा

शिवलाल सेठ की संयमित वृत्ति ।

२. *नो मनी, आइ हेव गोड !*

अथवा

त्वमेव माता च पिता त्वमेव ।

प्र. १२ निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. *पीडा से तडपते हुए भी गोपालानंद स्वामी ने किसकी ओर दृष्टि होने की बात कही ?*
२. *महाराज के निवास दरम्यान कुशलकुंवरबा ने महाराज की आरती कितनी बार उतारी ?*
३. *पर्वतभाई के लिए कौन-से दो अकाल पड़े ?*

४. *शिवलाल सेठ किस प्रकार ध्यान करते थे ?*
५. *किस के त्याग के आगे मुक्तानंद स्वामी की सत्संग की लाज-मर्यादा बढ़ जाती है ?*
६. *प्रमुखस्वामी महाराज ने वासद गाँव में उपवास और बीमारी में कितनी पधरावनी की ?*

प्र. १३ निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ६

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. *श्रीजीमहाराज ने कौन-से वचनामृतों में मुक्तानंद स्वामी की प्रशंसा की ?*
   (अ) ग. प्र. ५८ (ब) सारंगपुर - ३
   (क) लोया - ३ (ड) ग. अं. २४
२. *रघुवीरजी महाराज की विशिष्टताएँ ।*
   (अ) पूरे वरताल में एक रघुवीरजी महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी को पहचाना ।
   (ब) श्रीजीमहाराज कहते थे ''धर्मकुल में रघुवीरजी जैसे कोई नहीं ।''
   (क) उनका त्याग महाराज के त्याग के बराबर था ।
   (ड) रघुवीरजी महाराज का समागम का खप भीमनाथ के रांका जैसा था ।
२. *निष्कुलानंद स्वामी ।*
   (अ) 'पुरुषोत्तम प्रकाश' ग्रंथ की रचना की ।
   (ब) गढडा मंदिर के घुम्मट और कमान बनाए ।
   (क) संवत् १८२२ की वसंतपंचमी के दिन जन्म हुआ ।
   (ड) 'सहजानंद हरि, प्रगट थया सहजानंद हरि' कीर्तन की रचना की ।

(विभाग - ३ : निबन्ध)

प्र. १४ निम्नलिखित में से किसी भी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । २०

१. *योगीजी का शुभ संकल्प आज सुफल करे, गुरु प्रमुखस्वामी महाराज, संत सात सौ का दिव्य समाज, फिर रहे हैं देश-विदेश आज.*
२. *अक्षरपुरुषोत्तम उपासना के विस्तारक - प्रमुखस्वामी महाराज ।*
३. *सामाजिक उत्थान में बालप्रवृत्ति का योगदान ।*

❋ ❋ ❋